भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1249
दिनांक 31 जुलाई, 2023

कच्चे तेल की कीमत में बढ़ोतरी

1249#.श्री नीरज डांगी:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पिछले दो वर्षों के दौरान कच्चे तेल की कीमत में वृद्धि होने के क्या कारण हैं;

(ख) वर्तमान में किन कीमतों पर पेट्रोलियम उत्पाद की खरीद की जा रही हैं;

(ग) उक्त अवधि के दौरान पेट्रोलियम उत्पादों से प्राप्त राजस्व का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार के पास पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाने पर कोई विचार है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री रामेश्वर तेली)

(क) से (घ): पिछले कई महीनों में कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों में काफी उतार-चढ़ाव हुए हैं और ये अस्थिर रहे हैं। ऐसा विभिन्न वैश्विक घटनाओं के कारण हुआ है, जिनमें भू-राजनीतिक बदलाव, विश्व अर्थव्यवस्था के कोविड-19 और इसके वेरिएंट के कारण उत्पन्न व्यवधान से उबरने के कारण मांग में वृद्धि, प्रमुख उपभोक्ता देशों में सामान्य मालसूची स्तरों से कम, पिछले कुछ वर्षों में कच्चे तेल के उत्पादन की सुविधाओं में कम निवेश के प्रभाव, ओपेक+ ने नवंबर 2022 से 2 मिलियन बैरल प्रति दिन (बीपीडी) के उत्पादन में कटौती की घोषणा आदि शामिल हैं। इसके अलावा, ओपेक+ ने रूस द्वारा 0.5 मिलियन बीपीडी कटौती के अलावा, अप्रैल-23 में 1.16 मिलियन बीपीडी की सीमा तक स्वैच्छिक कटौती की घोषणा की है जिससे ओपेक+ द्वारा मात्रा में कुल कटौती 3.66 मिलियन बीपीडी हो गई है, इससे समग्र आपूर्ति प्रभावित हो रही है। साथ ही, ऐसी आशंका भी जताई गई है कि दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक मंदी के कारण तेल की मांग कम हो सकती है।

पिछले दो वर्षों के लिए कच्चे तेल की भारतीय बास्केट के वार्षिक औसत अंतर्राष्ट्रीय मूल्य निम्नानुसार हैं:

वर्ष	2021-22	2022-23	2023-24 (दिनांक 24.07.2023 तक)
औसत भारतीय बास्केट (डॉलर/बीबीएल)	79.18	93.15	77.99

वर्ष 2020-21 से राजकोष में पेट्रोलियम क्षेत्र के अंशदान के ब्यौरे निम्नानुसार हैं:

(करोड़ रुपए)

	केंद्रीय राजकोष में कुल अंशदान	राज्य राजकोष में कुल अंशदान	राजकोष में पेट्रोलियम क्षेत्र का कुल अंशदान
2020-21	455069	217650	672719
2021-22	492303	282122	774425
2022-23 (पी)	428067	320651	748718

उपर्युक्त 15 प्रमुख तेल और गैस कंपनियों द्वारा पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) को उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है। कंपनियों द्वारा पीपीएसी को बताई गई राशि कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के लिए सभी करों/उपकर/शुल्क/जीएसटी आदि की समेकित राशि है।

(पी) - अनंतिम

पेट्रोल और डीजल के मूल्य क्रमश: दिनांक 26.06.2010 और 19.10.2014 से बाजार निर्धारित हैं। तब से, की तेल विपणन कंपनियां (ओएमसीज) पेट्रोल और डीजल के मूल्य निर्धारण के संबंध में उपयुक्त निर्णय लेती हैं।

सरकार ने दो बार नवंबर, 2021 और मई, 2022 में पेट्रोल और डीजल पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क में क्रमश: कुल 13 रुपए/लीटर और 16 रुपए/लीटर की कमी की है। उत्पाद शुल्क में कमी का फायदा पूरी तरह से उपभोक्ताओं को दिया गया था जिसके परिणामस्वरूप खुदरा बिक्री मूल्यों में कमी आई। इस उपाय का उद्दे य अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करना तथा खपत बढ़ाना और मुद्रास्फीति को कम बनाए रखना था ताकि गरीबों और मध्यम वर्ग की मदद की जा सके। बाद में अनेक राज्यों/संघ शासित प्रदेशों ने भी पेट्रोल और डीजल पर वैट दरें कम कर दी हैं।

भारत अपनी घरेलू एलपीजी खपत के 60 प्रतिशत से अधिक का आयात करता है। देश में एलपीजी का मूल्य अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इसके मूल्य से जुड़ा हुआ है। तथापि, सरकार घरेलू एलपीजी के उपभोक्ता के लिए प्रभावी मूल्य को आवश्यकतानुसार घटाती-बढ़ाती रहती है। यथा स्वीकार्य राजसहायता पात्र लाभार्थियों के खातों में जमा कर दी जाती है। इसके अलावा, सरकार ने वर्ष 2022-23 और 2023-24 के लिए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) लाभार्थियों के लिए प्रतिवर्ष अधिकतम 12 रीफिल्स हेतु 200 रुपए प्रति 14.2 कि.ग्रा. सि लडर की निर्धारित राजसहायता शुरू की है।

***